2-Day Workshop on "AI Virtual Teaching Assistant" and "Data Visualization" (11-12th September, 2025)

हकेंवि में एआई पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के केंद्रीय पुस्तकालय एवं शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के सहयोग से 'एआई वर्चुअल टीचिंग असिस्टेंट एंड डेटा विजुअलाइजेशन' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के ज्ञान को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का आभार व्यक्त किया। डॉ. संतोष ने शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। बतौर मुख्य अतिथि शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान उपस्थित रहे। उन्होंने एआई-आधारित विजुअलाइजेशन टूल्स की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये टूल्स शोध एवं शिक्षण में सार्थक परिणाम उत्पन्न करने तथा इंटरएक्टिव दृश्य प्रस्तुतीकरण तैयार करने में सहायक हो सकते हैं। प्रशिक्षण सत्र में डॉ. अनिरुद्ध घोष ने जनरेटिव एआई टूल्स एवं उनके अनुप्रयोगों पर व्यावहारिक जानकारी सांझा की। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 160 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का औपचारिक परिचय उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ट ने कराया तथा सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने कार्यशाला का संयोजन किया।

==

CUH organised Two-Day Workshop on AI

The Central Library and Department of Teacher Education in collaboration with ICFAI Business School organized a two-day workshop on "AI Virtual Teaching Assistant and Data Visualization" at the Central University of Haryana (CUH). The workshop aimed at strengthening the knowledge of AI among the teachers and researchers.

In his welcome address, University Librarian Dr. Santosh C. H. expressed gratitude to Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of CUH, for his constant encouragement in organizing training programmes on education technology. Dr. Santosh highlighted the purpose of orgnaising such workshops for the teachers and researchers.

Prof. Parmod Kumar, Head, Department of Teacher Education, and Prof. Neelam Sangwan, Dean, Research, graced the event as Chief Guests. Both the guests in their address underscored the potential of AI-driven visualization tools in generate actionable insights, and create interactive visual representations. They added that such tools should be used ethically and with proper training and guidance.

The training sessions were conducted by Dr. Anirudh Ghosh, who shared practical insights on Generative AI tools and their applications. On the first day, he focused on how AI can assist in writing code, analyzing data, and creating visualizations. The second day was dedicated to exploring advanced AI-based data visualization tools. The sessions were highly interactive. The workshop witnessed enthusiastic participation from around 160 students representing various departments of the university. The program was formally introduced by Dr. Rajeev Vashistha, Deputy Librarian, while Dr. Vinita Malik, Information Scientist, coordinated the event. The workshop concluded on a successful note, with participants acknowledging it as an informative and enriching experience that broadened their understanding of AI applications in research and education

हकेवि एआई पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय एवं शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के सहयोग से ह्यएआई वर्चुअल टीचिंग असिस्टेंट एंड डेटा विजुअलाइजेशनह्य विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों एवं शोधकताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के ज्ञान को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी. एच. के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने शिक्षा प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए निरंतर प्रोत्साहन प्रदान किया है। डॉ. संतोष ने शिक्षकों और शोधकताओं के लिए ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन के महत्व पर भी प्रकाश डाला।